१ दीपिका का जन्मदिन था । उसने साथियों-सहेलियों को अपने घर पर बुलाया था । सहेलियों के आने पर उसने ऊँची आवाज में गीत प्रारंभ कर दिए । सभी हँसते-खेलते आनंद ले रहे थे ।

उसी समय पड़ोसवाले घर के दादा जी आए । दादा जी ने दीपिका से गाने की आवाज धीमी करने के लिए कहा । पड़ोसवाले दादा जी को उच्च रक्तचाप की शिकायत है । २

३ दीपिका के घर में होने वाली कर्णभेदी आवाज के कारण उनकी धड़कनें बढ़ने से उन्हें कष्ट हो रहा था । दादा जी को कष्ट न हो इसलिए दीपिका ने तुरंत ही गीत की आवाज मंद कर दी ।

...और गलती ध्यान में आई !

राहुल की दादी प्रतिदिन उसके पाठशाला से घर आने की राह देखती रहतीं । पाठशाला से घर आने पर दादी जी उसे खाने के लिए कुछ देतीं । पाठशाला में क्या हुआ, इसकी पूछताछ करतीं परंतु राहुल को दादी से बात करना अच्छा नहीं लगता था । दादी जी द्वारा दी गई एकाध चीज खाकर तुरंत कब टीवी पर कार्टून का कार्यक्रम देखूँ; ऐसा उसे लगता था । दादी जी को राहुल की यह बात बहुत बुरी लगती थी कि वह उनसे ठीक तरह से बात नहीं करता । दादी जी की उदासी देखकर राहुल के माता-पिता जी दुखी होते थे । एक दिन पिता जी ने राहुल के ऐसे स्नेहहीन व्यवहार के बारे में उसे समझाया । उस दिन से राहुल ने दादी जी से बोलने में टालमटोल करना बंद कर दिया । वह दादी के साथ स्नेहपूर्वक बातें करने लगा ।

बताओ

इन दोनों घटनाओं के संबंध में वर्ग में परस्पर चर्चा करो ।

- क्या तुम्हें लगता है कि दीपिका तथा राहुल से कोई गलती हुई है, कौन-सी ?
- उन दोनों ने अपनी गलती को कैसे सुधारा ?
- क्या तुम्हारे घर में या पड़ोस में कोई वृद्ध व्यक्ति है ?
- तुम उनकी किस-किस प्रकार की सहायता करोगे ?

हम सब के परिवारों या सगे-संबंधियों में वृद्ध व्यक्ति रहते हैं । वे हम लोगों से प्यार करते हैं। हमें दुलारते हैं परंतु वे हमारी जैसी दौड़-धूप नहीं कर सकते । दुकान पर जाकर औषधि अथवा सामान लाकर देना, ऊँचाई पर रखी वस्तु को निकाल कर देना, सूई में धागा डालकर देना, जैसे उनके छोटे-छोटे काम होते हैं । ये काम समय पर करने से उनकी सहायता होती है । ऊँची आवाज में संगीत सुनने अथवा टीवी चलाने पर उन्हें कभी-कभी बुरा लगता है । कर्णभेदी आवाज से उन्हें कष्ट होता है । ऐसे समय हमें आवाज धीमी कर देनी चाहिए ।

हमारे दादा-दादी जी पिता जी प्राय: घर में ही रहते हैं । अपने बच्चों तथा पड़ोसियों-परिचितों के साथ गपशप करना ही उनका मुख्य मनोरंजन होता है । उन्हें यह जानने की इच्छा रहती है कि हमारे पौत्र-पौत्री पाठशाला जाकर क्या करते हैं । हम लोगों के प्रति उनमें लाड़-प्यार की भावना रहती है। ऐसे समय उनके साथ प्रेमपूर्वक बातें करने पर वे खुश होते हैं ।

बताओ तो

अपने घर में अथवा पड़ोस में कोई बीमार हो तो तुम क्या करोगे ?

तुम्हें जो उचित लगे उसके सामने ✓ चिह्न और जो उचित न लगे उसके सामने × चिह्न बनाओ।

बीमार व्यक्ति से उठते-बैठते और किसी भी समय मिलने के लिए जाना ।	
बीमार व्यक्ति को समय पर औषधि देना ।	
बीमार व्यक्ति को तले हुए पदार्थ खाने के लिए देना ।	
बीमार व्यक्ति को अनावश्यक सलाह न देना ।	
बीमार व्यक्ति को समय पर भोजन देना ।	
बीमार व्यक्ति के कमरे में ऊँची आवाज में टीवी देखना ।	
डॉक्टर की सलाह से ही बीमार व्यक्ति को स्नान करवाना ।	
थोड़ा ठीक होने पर डॉक्टर की सलाह लिए बिना औषधि देना तुरंत बंद करना ।	

हम सब लोगों को यही लगता है कि बीमार व्यक्ति शीघ्र-से शीघ्र स्वस्थ हो जाए । उसके लिए डॉक्टर की सलाह के अनुसार उसकी उचित देखभाल करनी चाहिए । छोटी-मोटी बीमारी का प्रथमोपचार करके बीमार व्यक्ति को दवाखाने या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाएँ । झाड़-फूँक, गंडे-ताबीज या तांत्रिक-मांत्रिक के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए । डॉक्टर से समय पर उपचार करवाना चाहिए ।

विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति के संबंध में मेरा उत्तरदायित्व

कुछ व्यक्ति ऐसे होते हैं जो जन्म से अथवा दुर्घटना के कारण किसी न किसी रोग से पीड़ित या अपंग होते हैं । सार्वजनिक स्थानों पर आने-जाने में उन्हें कई परेशानियाँ अथवा असुविधाएँ होती हैं। इसलिए उन्हें विशेष सेवा-सुविधाएँ देने की आवश्यकता होती है ।

क्या तुम जानते हो

अब हमारे देश से पोलियो बीमारी का पूर्णत: उन्मूलन हो चुका है । इस कार्य के लिए 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' ने हमारे देश की प्रशंसा की है । पिछले कई वर्षों से सरकार द्वारा पोलियो के टीके लगाने का अभियान चलाया जा रहा है । उसी के कारण पोलियो के उन्मूलन का श्रेय हमें प्राप्त हुआ है ।

- 'दो बूँद जिंदगी के' यह घोषकथन किसके संदर्भ में है; इसकी जानकारी प्राप्त करो ।

करके देखो

वर्ग के सभी लड़के-लड़कियों को दो समूहों में विभाजित करो । समूह 'अ' के लड़कों-लड़कियों की आँखों पर पट्टी बाँधो । समूह 'ब' के लड़कों-लड़कियों की आँखों पर पट्टी मत बाँधो । दोनों समूहों के एक-एक लड़के-लड़की को एक साथ लेकर जोड़ी बनाओ । प्रत्येक जोड़ी अपने वर्ग से चलकर विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार तक जाए । वहाँ पहुँचने के बाद समूह 'अ' के लड़के-लड़की की आँख पर बँधी पट्टी निकाल दो और समूह 'ब' के लड़का-लड़की की आँखों पर बाँधो । अब दोनों वापस वर्ग में आओ ।

- आँखों पर पट्टी बाँधकर चलते समय कौन-सी अड़चनें हुईं ?
- आँखों पर पट्टी बाँधकर क्या तुम अपनी हमेशा वाली चाल से चल सकते हो ?

क्या तुम जानते हो

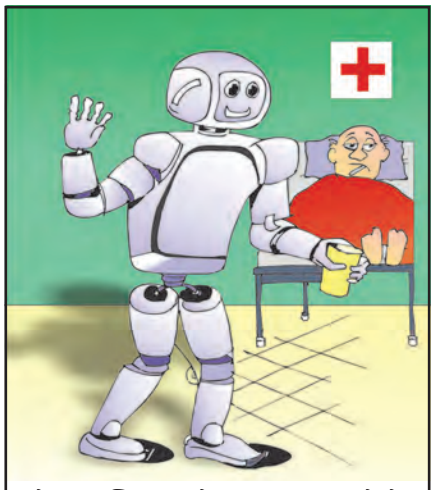

रोगी व्यक्ति की सेवा करता हुआ रोबो

विदेश के कुछ अस्पतालों में वर्तमान समय में रोगी व्यक्ति की सेवाशुश्रुषा के लिए रोबो का उपयोग किया जाता है। रोबो द्वारा काम करवाने में आनंद होगा क्या ? अथवा आस-पास में मनुष्य के न रहने पर ऊब का अनुभव होगा?

- जब तुम्हारी आँख पर पट्टी नहीं थी तब तुम अपनी जोड़ी के लड़के-लड़की के लिए रुकते थे या उसे पीछे छोड़कर आगे चले जाते थे ?

- यदि तुम्हारा/तुम्हारी जोड़ीदार तुम्हें पीछे छोड़कर चला गया/गई हो तो तुम्हें कैसा लगा ?

हाथ में सफेद छड़ी लेकर सड़क पर चलते हुए किसी दृष्टिहीन व्यक्ति को तुमने देखा होगा । सफेद छड़ी की सहायता से दृष्टिहीन व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर आसानी से चल-फिर सकते हैं । कुछ इमारतों में लगी लिफ्ट में मँजलों के क्रमांक ब्रेल लिपि में लिखे होते हैं । इस सुविधा के कारण अंध व्यक्ति बिना किसी की सहायता के अपने अपेक्षित मँजले पर जा सकता है । इसी प्रकार मतदान यंत्रों पर की गई ब्रेल लिपि की सुविधा द्वारा दृष्टिहीन व्यक्ति भी अन्य लोगों की तरह गुप्त मतदान कर सकते हैं ।

रैंप (ढालू सड़क)

विद्यालय-महाविद्यालय और कुछ इमारतों में सीढ़ियों के पास में बनी हुई ढालू सड़क तुमने देखी होगी । ऐसी ढालू सड़क को रैंप कहते हैं । रैंप के कारण पहियेवाली कुर्सी का उपयोग करने वाले व्यक्ति को इमारत में आने में सुविधा होती है । कुछ इमारतों में ऐसे विशेष प्रकार के शौचालयों की भी सुविधा होती है जिसमें पहियेवाली कुर्सी का उपयोग किया जा सके ।

ऐसी सुविधाएँ केवल इसलिए की जाती हैं कि विशेष आवश्यकतावाला व्यक्ति अपना काम अपने-आप आसानी से कर सके परंतु ऐसी सुविधाएँ सभी स्थानों पर उपलब्ध होना संभव नहीं होता। सार्वजनिक स्थानों पर सुविधा हो या न हो, विशेष आवश्यकतावाले व्यक्ति के साथ हमारा व्यवहार अत्यंत सौहार्द्रपूर्ण होना चाहिए ।

दृष्टिहीन व्यक्ति स्पर्श की लिपि का उपयोग करके लिख-पढ़ सकते हैं । इस लिपि को ब्रेल लिपि कहते हैं । इस लिपि में प्रत्येक अक्षर के लिए कुछ बिंदियाँ निर्धारित होती हैं । कागज पर दाब डालकर निर्धारित बिंदियों को उठाव दिया जाता है । कागज पर बनी हुई इन उठावदार बिंदियों को स्पर्श करके दृष्टिहीन व्यक्ति लिखे गए पाठ्यांश को पढ़ सकता है । ऐसा नहीं होता कि अपनी भाषा की हर पुस्तक ब्रेल लिपि में मिलेगी ही । अपनी भाषा में मिलने वाली सभी पुस्तकें ब्रेल लिपि में नहीं मिलतीं । हम अपनी पसंद की कोई भी कहानी अपने दृष्टिहीन साथी या सहेली को पढ़कर सुना सकते हैं।

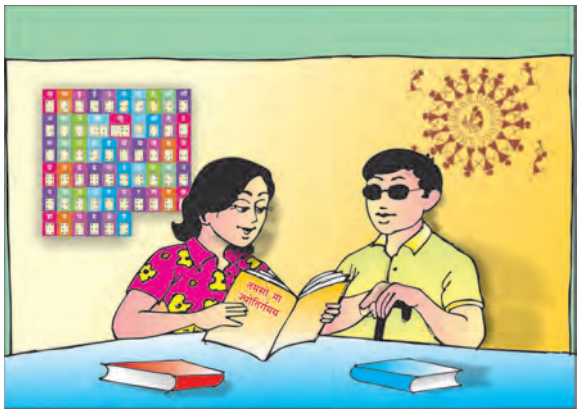

करके देखो

- नीचे दी गई ब्रेल लिपि के संकेतों का उपयोग करके अपना नाम लिखो ।
- चिह्नों की भाषा के संकेतों का उपयोग करके अपने साथी-सहेली का नाम लिखो ।

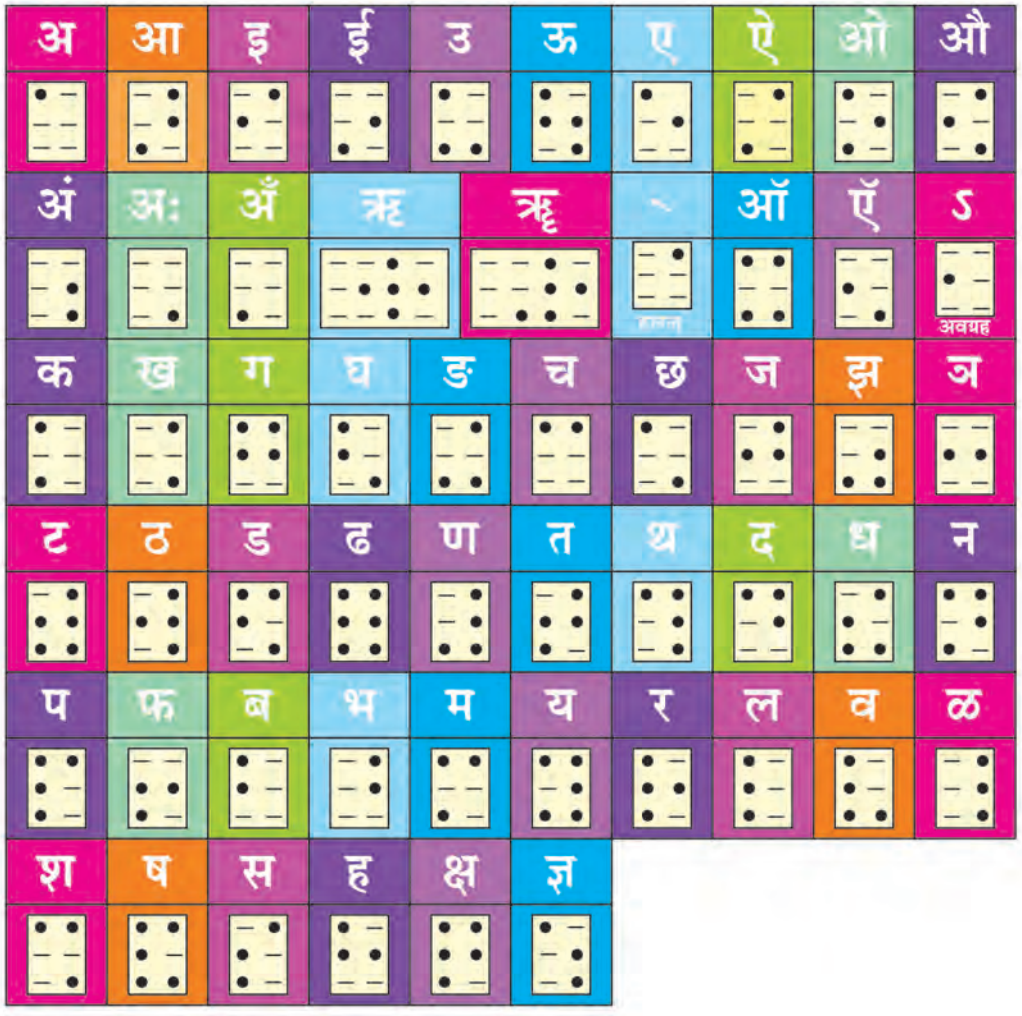

ब्रेल लिपि

संकेतों की भाषा

बहरे (जो सुन नहीं सकते) लोगों के लिए संकेतोंवाली भाषा होती है । बोलने वाले के ओंठों की गतिविधियों को देखकर बोली गई बात को समझने की तकनीक भी उन्हें सिखाई जाती है । यदि हम आराम से और स्पष्ट रूप से उनके साथ बोलें तो उन्हें हमारी बातचीत समझ में आती है । ऐसा करके हम उनके साथ गपशप भी कर सकते हैं । सांकेतिक भाषा में बहरे लोगों से संबंधित समाचार भी दूरदर्शन पर दिए जाते हैं ।

क्या तुम जानते हो

- सुधा चंद्रन नामक नर्तकी है जो भरतनाट्यम में पारंगत है । किसी दुर्घटना में उन्हें अपना एक पैर खोना पड़ा फिर भी कृत्रिम पैर लगाकर उन्होंने संकल्प के बल पर अपना नृत्य एवं अभिनय सतत चलाए रखा है ।
- रवींद्र जैन दृष्टिहीन व्यक्ति हैं । उन्होंने कई चित्रपटों और दूरदर्शन के कार्यक्रमों के लिए संगीत दिया है । उनके इस मधुर संगीत के योगदान स्वरूप उन्हें कई पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं ।
- शरद गायकवाड का एक हाथ केवल आधा है परंतु तैराकी प्रतियोगिता में उन्होंने पूरे विश्व में अपने देश का नाम ऊँचा किया है ।

हमने क्या सीखा

- अपने परिवार तथा परिसर के लोगों की कठिनाइयों को समझने तथा समय पर उनकी सहायता करने से संबंधित व्यवहार को संवेदनशीलता कहते हैं । ऐसे सहायक को संवेदनशील व्यक्ति कहते हैं।
- अपने परिवार अथवा अपने आस-पास रहने वाले वृद्ध, बीमार तथा विशेष आवश्यकतावाले व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक और सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए ।
- संवेदनशीलता द्वारा हमारे अंदर सहायता करने की प्रवृत्ति का विकास होता है ।

स्वाध्याय

(अ) एक वाक्य में उत्तर लिखो :

(१) दादा-दादी जी को किस बात से आनंद मिलता है ?

(२) बीमार व्यक्ति को किसकी सलाह के अनुसार सावधानी रखनी चाहिए ?

I3L25K

(आ) सही या गलत, लिखो :

(१) ऊँची आवाज में टीवी अथवा संगीत सुनना ।

(२) रोग से मुक्ति पाने के लिए गंडे-ताबीज, तांत्रिक-मांत्रिक अथवा झाड़-फूँक का सहारा लेना चाहिए ।

(इ) गलत (असंगत) शब्द काट दो :

(१) बहरे व्यक्ति ब्रेल लिपि / सांकेतिक भाषा समझते हैं ।

(२) सफेद छड़ी द्वारा / पहियेवाली कुर्सी द्वारा दृष्टिहीन व्यक्ति भी सड़क पार कर सकते हैं ।

उपक्रम

- किसी अंध विद्यालय में जाओ । ब्रेल लिपि की जानकारी प्राप्त करो ।
- अपने शिक्षकों की सहायता से अपंग लोगों के लिए उपलब्ध होने वाली सरकारी योजनाएँ ज्ञात करो ।
- विशेष आवश्यकतावाले व्यक्तियों के लिए काम करने वाली किसी संस्था की जानकारी प्राप्त करो ।

* * *